नवभारत
भोपाल, बुधवार 29 जुलाई, 2026

खाकी का खौफ खत्म, चोरों के हौसले बुलंद

खास बातें

- एक ही इलाके में छह स्थानों पर चोरी, मंदिर को भी नहीं छोड़ा
- लोगों का आरोप—गश्त बढ़ाने की मांग के बावजूद पुलिस रही बेपरवाह

नवभारत न्यूज

विदिशा 28 जुलाई,शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं. पिछले एक माह से क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदातें हो रही हैं, लेकिन लोगों का आरोप है कि पुलिस प्रभावी कार्रवाई और नियमित गश्त करने में नाकाम साबित हो रही है. सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात अहमदपुर रोड स्थित अटल पार्क के सामने और आसपास की करीब छह दुकानों व एक मंदिर को निशाना बनाते हुए चोरों ने ताले तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया. सबसे चिंताजनक बात यह है कि हनुमान मंदिर में आठ दिन के भीतर दूसरी बार चोरी हुई है.

हनुमान मंदिर में आठ दिन में दूसरी चोरी

इसी क्षेत्र के हनुमान मंदिर को भी चोरों ने नहीं बख्शा. मंदिर में आठ दिन के भीतर दूसरी बार चोरी की घटना हुई है. पहली घटना में करीब 5 से 6 हजार का सामान चोरी हुआ था, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई थी. आरोप है कि कार्रवाई नहीं होने से चोरों ने दोबारा मंदिर को निशाना बनाया और इस बार भगवान के वस्त्र एवं आभूषण चोरी कर ले गए.

कीटनाशक की दुकान से नकदी और सामान ले गए चोर

इसी क्षेत्र में संचालित कीटनाशक की दुकान के संचालक सचिन मालवीय ने बताया कि अज्ञात चोर ताले तोड़कर दुकान में घुसे और करीब 11 हजार नकद के साथ कुछ सामान भी चोरी कर ले गए. उन्होंने भी पुलिस को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस समय पर जांच के लिए मौके पर नहीं पहुंची.

कपड़े की दुकान का शटर उठाकर वारदात

अटल पार्क के सामने स्थित कपड़े की दुकान के संचालक नरेंद्र मीणा ने बताया कि चोरों ने शटर उठाकर दुकान में प्रवेश किया और 13 से 14 हजार रुपए नकद तथा 20 से 25 जोड़ी कपड़े चोरी कर लिए. उन्होंने भी पुलिस को सूचना दी, लेकिन मौके पर पुलिस के नहीं पहुंचने का आरोप लगाया.

खाद-बीज की दुकान से 25 हजार नकद चोरी

अटल पार्क के सामने स्थित खाद-बीज की दुकान के संचालक बलवंत ठाकुर ने बताया कि सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो ताले टूटे मिले. दुकान का सामान सुरक्षित था, लेकिन दराज में रखे करीब 25 हजार नकद गायब थे। उनका आरोप है कि शिकायत करने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचने के बजाय यह कह दिया कि उन्होंने शटर को हाथ क्यों लगाया, इससे चोरों के फिंगरप्रिंट मिट गए होंगे.

लोग बोले—समय रहते गश्त बढ़ती तो नहीं होतीं वारदातें

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले 15 दिनों से लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं. आठ दिन पहले भी रहवासियों ने सिविल लाइन थाना पुलिस को लिखित रूप से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की थी. इसके अलावा 16-17 जुलाई की रात हुई चोरी की घटना की भी शिकायत पुलिस को दी गई थी, लेकिन प्रभावी कदम नहीं उठाए गए.लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते पुलिस सक्रिय होती तो इतनी वारदातें नहीं होतीं.

एएसपी बोलीं—गंभीरता से हो रही जांच

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी ने बताया कि कुछ दुकानों के ताले टूटने की सूचना मिली है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है तथा एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है. पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

पश्चिम बंगाल के ठेकेदार ने लगाई भुगतान की गुहार

- लटेरी के सीएम राइज स्कूल में काम करने के बाद भी नहीं मिला भुगतान
- मजदूरों की मजदूरी अटकी, जनसुनवाई में की शिकायत

नवभारत न्यूज

विदिशा 28 जुलाई,पश्चिम बंगाल के ठेकेदार सलीम शेख मंगलवार को अपने मजदूरों के साथ कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और लंबित भुगतान दिलाने की मांग की. उनका आरोप है कि लटेरी तहसील में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल में वर्ष 2025 के दौरान उन्होंने प्लास्टर और चुनाई का कार्य पूरा किया था, लेकिन अब तक किए गए कार्य का भुगतान नहीं किया गया है.

सलीम शेख ने शिकायत में बताया कि भुगतान नहीं मिलने के कारण वह अपने साथ काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी भी नहीं दे पा रहे हैं. इससे मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार महेंद्र कुमार गुप्ता एवं उनके बेटे सुनील गुप्ता से कई बार भुगतान की मांग की गई, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया या उनका यह भी आरोप है कि जब भी वे अपने बकाया भुगतान की मांग लेकर उनके पास जाते हैं, तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है और उन्हें भगा दिया जाता है. सलीम शेख ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और उनका लंबित भुगतान जल्द दिलाने की मांग की है, ताकि वे अपने मजदूरों का बकाया मेहनताना चुका सकें.

अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़. कस्बा हैदरगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों पड़ रही गर्मी और उमस के बीच अघोषित बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हो गया है. बारिश कम होने से गर्मी और बीमारियों का असर बढ़ रहा है. ऐसे में बिजली नहीं रहने से कूलर और पंखे शोपीस बनकर रह गए हैं.ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय लगातार बिजली गुल रहने से बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने पावर हाउस पहुंचकर अधिकारियों और कर्मचारियों से जवाब मांगा. इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि एनडीसीसी के निर्देश पर लोड शेडिंग की गई थी.ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है. उन्होंने विद्युत विभाग से मांग की है कि रात्रि के समय बिजली कटौती बंद कर नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को गर्मी से राहत मिल सके.

नगर तहसीलदार के व्यवहार से नाराज अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

- अभद्र व्यवहार की जांच और डाकघर शाखा दोबारा शुरू करने की मांग

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिला अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने मंगलवार को कलेक्टर के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर नगर तहसीलदार प्रीति पंथी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसीलदार न्यायालय में लगातार अभद्र एवं असम्मानजनक व्यवहार कर रही हैं, जिससे न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं. ज्ञापन में बताया गया कि 27 जुलाई को नामांतरण प्रकरण की सुनवाई के दौरान एक अधिवक्ता द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिए जाने पर तहसीलदार ने कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की. अधिवक्ताओं का कहना है कि नामांतरण प्रकरणों के निस्तारण में भी भेदभाव किया जा रहा है.उनके अनुसार, अधिवक्ताओं के माध्यम से प्रस्तुत प्रकरणों में अनावश्यक विलंब किया जाता है, जबकि सीधे प्रस्तुत मामलों का शीघ्र निराकरण किया जा रहा है. उन्होंने कलेक्टर से नगर तहसीलदार के व्यवहार की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करने तथा न्यायालय में सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की. उन्होंने पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित डाकघर शाखा बंद होने का मुद्दा भी उठाया. उनका कहना है कि इससे न्यायालयीन डाक एवं अन्य आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने नई न्यायालय भवन अथवा पुरानी कलेक्ट्रेट में डाकघर शाखा पुन: प्रारंभ कराने की मांग की.

नशामुक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

आनंदपुर. मध्यप्रदेश पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल आनंदपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. एसडीओपी ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की अपील की. उन्होंने कहा कि नशा स्वास्थ्य, परिवार और समाज को नुकसान पहुंचाता है. विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा अवैध नशीले पदार्थों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई. कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं थाना आनंदपुर का पुलिस बल उपस्थित रहा.

ग्यारसपुर तहसील भवन हुआ जर्जर, दीवारों में दरारें और टपकती छत से बढ़ी चिंता

- करीब 50 वर्ष पुराने भवन की हालत खस्ता
- कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और हितग्राहियों ने नए भवन की उठाई मांग

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर. वर्ष 1980 के दशक में निर्मित ग्यारसपुर तहसील भवन अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है. लगभग 50 वर्ष पुराने इस भवन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है. भवन की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं, जबकि बारिश के मौसम में छत कई स्थानों से टपक रही है. इससे कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और अपने कार्यों से आने वाले हितग्राहियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

भवन के कमरों की फर्श भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है. जगह-जगह लगी टाइल्स उखड़ गई हैं और कई स्थानों पर फर्श टूट चुकी है, जिससे लोगों का सुरक्षित आवागमन भी मुश्किल हो गया है. बरसात के दौरान छत से टपकते पानी के कारण फर्श पर फिसलन हो जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है.तहसील कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए पहुंचते हैं. वहीं अधिवक्ता भी न्यायिक कार्यों के सिलसिले में नियमित रूप से यहां आते हैं. भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और आम नागरिकों में किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है.

कर्मचारियों का कहना है कि बारिश के दौरान कई कमरों में पानी भर जाता है, जिससे कार्यालय के अभिलेखों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों के खराब होने का खतरा भी बना रहता है. कई बार टपकती छत के कारण कार्यालयीन कार्य भी प्रभावित होते हैं.स्थानीय लोगों और अधिवक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि तहसील भवन का तकनीकी निरीक्षण कराकर शीघ्र मरम्मत कराई जाए. यदि भवन मरम्मत योग्य नहीं है तो नए तहसील भवन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके.क्षेत्रवासियों का कहना है कि तहसील जैसा महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय जर्जर भवन में संचालित होना गंभीर चिंता का विषय है. उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है. इसलिए प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर इस समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए.

माधव उद्यान में किया गया पौधारोपण नीम और आंवला के 20 पौधे लगाए

नवभारत न्यूज

विदिशा. प्रथम मानसून के आगमन पर भारत भारती जैन मंडल एवं शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा माधव उद्यान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नीम एवं आंवला के लगभग 20 पौधे लगाए गए.मंडल प्रमुख नीता सराफ ने कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए नियमित रूप से वृक्षारोपण करने की अपील की.कार्यक्रम में भारत भारती जैन मंडल के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, माधव उद्यान में प्रतिदिन भ्रमण करने वाले नागरिक तथा नीता सराफ का परिवार भी उपस्थित रहा. सभी ने पौधों की देखभाल और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया.इस अवसर पर पौधे उपलब्ध कराने के लिए वन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया गया. साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने पर माधव उद्यान के कर्मचारियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया.

सोयाबीन किसानों के लिए कृषि विभाग की उपयोगी सलाह

नवभारत न्यूज

विदिशा. कृषि विभाग ने जिले के सोयाबीन उत्पादक किसानों को मौसम की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आवश्यक कृषि उपाय अपनाने की सलाह दी है. विभाग ने कहा है कि बारिश में देरी होने पर किसान फसल में डोरा या कुल्पा चलाकर निंदाई-गुड़ाई करें, फसल अवशेषों से मल्चिंग करें तथा आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें. 20-25 दिन की फसल में थायोयूरिया का पर्णीय छिड़काव करने की भी सलाह दी गई है. कॉलर रॉट, जड़ सड़न एवं पीला मोजेक रोग की रोकथाम के लिए अनुशंसित फफूंदनाशक एवं कीटनाशकों का उपयोग करें. साथ ही खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए निंदाई, कुल्पा अथवा अनुशंसित खरपतवार नाशकों का प्रयोग करें.

उदयपुर में शासकीय भूमि पर बने पक्के शोरूम पर चला बुलडोजर

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. ग्राम उदयपुर में शासकीय भूमि पर निर्मित एक पक्के वाहन शोरूम पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटा दिया. यह कार्रवाई कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व विभाग और प्रशासन की मौजूदगी में की गई. लंबे समय से उक्त शोरूम को लेकर विवाद चल रहा था और इसकी शिकायत कलेक्टर तक पहुंची थी.

जानकारी के अनुसार, कलेक्टर के निर्देश पर गंजबासौदा एसडीएम को मामले की जांच सौंपी गई थी. इसके बाद तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं संबंधित पटवारी ने राजस्व रिकॉर्ड और मौके का निरीक्षण किया. जांच में संबंधित भवन शासकीय भूमि पर निर्मित पाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए भवन को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया.सूत्रों के अनुसार ग्राम उदयपुर में शासकीय भूमि पर अन्य अतिक्रमणों की भी जांच की जा रही है. राजस्व विभाग ऐसे मामलों का रिकॉर्ड खंगाल रहा है, जहां सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतें प्राप्त हुई हैं.स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि पूर्व में राजस्व रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ियां हुई थीं. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए पुराने अभिलेखों की जांच आवश्यक मानी जा रही है.स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पिछले कई दशकों के राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो यह स्पष्ट हो सकेगा कि शासकीय भूमि का रिकॉर्ड किन परिस्थितियों में बदला गया और यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार है.प्रशासन का कहना है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी और जांच के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे.

तहसीलदार-नायब तहसीलदारों के तबादले, नई पदस्थापना के आदेश जारी

नवभारत न्यूज

विदिशा,कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अंशुल गुप्ता ने प्रशासनिक कार्यसुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में पदस्थ तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के कार्य आवंटन में बदलाव करते हुए नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं.आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे. जारी आदेश के अनुसार अरविंद कुमार यादव को बासौदा से तहसीलदार गुलाबगंज, जबकि अतुल श्रीवास्तव को गंजबासौदा में न्यायालयीन कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है. सविता पटेल को अतिरिक्त तहसीलदार बासौदा तथा पलक पींडा को तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन, जिला कार्यालय में पदस्थ किया गया है। वहीं दिलीप चौरसिया को तहसीलदार लटेरी और जगनप्रसाद सौर को अतिरिक्त तहसीलदार नटेरन बनाया गया है. नायब तहसीलदारों में ऋषभ परतेती को लटेरी, दोजीराम अहिरवार को सिरोंज, रतिराम अहिरवार को बासौदा तथा अनुराग रावत को कुरवाई में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं. सभी अधिकारियों को न्यायालयीन एवं गैर-न्यायालयीन कार्यों का दायित्व सौंपा गया है. कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारी आगामी आदेश तक अपने नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यभार संभालेंगे.

परेशानी नगर को स्वच्छ रखने में जुटे कर्मचारी बोले— समय पर मानदेय मिले, तभी और बेहतर ढंग से निभा पाएंगे जिम्मेदारी

सालों से जाम नालों की सफाई के बीच छलका सफाई कर्मियों का दर्द

नवभारत न्यूज

कुरवाई. नगर परिषद क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सफाई कर्मियों द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है. सफाई मेट जितेंद्र बाल्मीकि के नेतृत्व में वर्षों से जाम पड़े नालों की युद्धस्तर पर सफाई की जा रही है, ताकि शहरवासियों को जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत मिल सके. इस अभियान के बीच सफाई कर्मियों का दर्द भी सामने आया है.

सफाई मेट जितेंद्र बाल्मीकि ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना सफाई कर्मियों का पहला दायित्व है और सभी कर्मचारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं. उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन को भी सफाई कर्मियों की समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान देना चाहिए.उन्होंने बताया कि समय पर वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है. हर महीने मानदेय में देरी होने के कारण बच्चों की पढ़ाई, घर का राशन, इलाज और अन्य आवश्यक खर्चों का प्रबंधन करना कठिन हो जाता है. आर्थिक तंगी के कारण कर्मचारियों को मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ रहा है.सफाई कर्मियों का कहना है कि आर्थिक परेशानियों के बावजूद वे नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने का पूरा प्रयास कर रहे हैं. हालांकि समय पर वेतन मिलने से वे और अधिक उत्साह एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे.सफाई कर्मियों ने शासन और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि उनका मानदेय समय पर जारी किया जाए, ताकि वे बिना आर्थिक चिंता के नगर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकें. उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ बनाए रखने में सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए उनकी समस्याओं का समय पर समाधान भी उतना ही आवश्यक है.